जो भी पार्टी मोदी के सामने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करेगी ,

उसे राष्ट्रपति की ओर से वीरता पुरस्कार दिया जायेगा 😂

''सच्ची खोज अच्छी खबर''

ज्ञान सरोवर

अत्यंत दुःखद ! भारत का विपक्ष फिलिस्तीन में शांति और भारत में नेपाल जैसा दंगा चाहता है !

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 17 अंक : 30 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 18 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

बिहार में पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर 'चलो जीते हैं' का विराट प्रदर्शन, 243 एलईडी वाहन रवाना

नई दिल्ली। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री के बचपन पर आधारित फिल्म 'चलो जीते हैं' का प्रदर्शन करेगी। फिल्म प्रदर्शन के अलावा, समारोह में दो सप्ताह तक चलने वाला 'सेवा पखवाड़ा' भी शामिल होगा, जिसमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों पर प्रदर्शनियाँ और विभिन्न सार्वजनिक चर्चाएँ शामिल होंगी। प्रदर्शनों के लिए, पार्टी ने एलईडी स्क्रीन से लैस 243 वाहन तैयार किए हैं, जिनमें से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक वाहन आवंटित किया गया है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को पटना में इन वाहनों को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री ने ध्वजारोहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एलईडी लाइटों से सुसज्जित लगभग 243 वाहनों पर हम प्रधानमंत्री मोदी के बचपन पर आधारित फिल्म 'चलो जीते हैं' दिखाएंगे।

यह सिर्फ़ एक फिल्म नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री के बचपन की हकीकत है। उन्होंने गरीबी देखी है, अपनी माँ को दूसरों के घरों में बर्तन धोते और कड़ी मेहनत करते देखा है। वह गरीबों का दर्द समझते हैं; गरीबों का दर्द आज भी प्रधानमंत्री के दिल में है। इस अवसर पर उपस्थित बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने समारोह की तैयारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाने जा रहे हैं और आज हमने कई वाहनों को हरी झंडी दिखाई है, जो बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री के बचपन पर आधारित फिल्म दिखाएंगे। गरीबी में जीवन जीते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जिन कठिनाइयों का सामना किया है, उसे पूरे राज्य में दिखाया जाएगा। मंगेश हदावले द्वारा निर्देशित लघु फिल्म 'चलो जीते हैं' एक ऐसे संवेदनशील लड़के के इर्द–गिर्द घूमती है जो स्वामी विवेकानंद के इस कथन से प्रेरणा लेता है, "वही जीते हैं, जो दूसरों के लिए जीते हैं।" इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ 'गैर–फीचर फिल्म' का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। पंद्रह दिनों तक चलने वाले सेवा पखवाड़े की तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं, भाजपा देश भर में सरकार की पहलों को प्रदर्शित करने के लिए रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रदर्शनियों का आयोजन कर रही है।

सरकार का पांच साल में वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्यः गडकरी

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है।'' गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन

कंपनियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपये है।'' इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है। मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।

वक्फ अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय का आदेश लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत : रीजीजू

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। उच्चतम न्यायालय ने अधिनियम के कई अहम प्रावधानों पर रोक लगा दी है, जिनमें वह धारा भी शामिल है, जिसमें केवल वैसे लोगों को किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने की अनुमति दी गई थी, जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, "मेरा मानना है कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।" उन्होंने कहा कि अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं। मंत्री ने कहा, "वक्फ बोर्ड के माध्यम से संपत्ति पर कब्जा करने सहित होने वाले दुरुपयोग पर अब इस नए कानून के जरिए रोक लगेगी।

सृष्टि के शिल्पकार, कर्म के देवता भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं !!

सड़क से संसद तक , संत से अनंत तक , भारत से पूरे विश्व तक !! भारत की छवि बदलने वाले देश के प्रधानसेवक परम आदरणीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और असीम ऊर्जा प्रदान करें ताकि आप इसी प्रकार भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहें !!

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में राज कुंद्रा से पूछताछ, अब अगले हफ्ते फिर होना होगा पेश

मुंबई। 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के एक मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए तलब किया गया। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ 60 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच जारी है। आर्थिक अपराध शाखा ने राज कुंद्रा को समन भेजा था और उनसे पूछताछ की गई। उनका बयान दर्ज कर लिया गया है और उन्हें अगले सप्ताह दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। मामले में कारोबारी दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने मिलकर उन्हें 60 करोड़ रुपए का चूना लगाया।

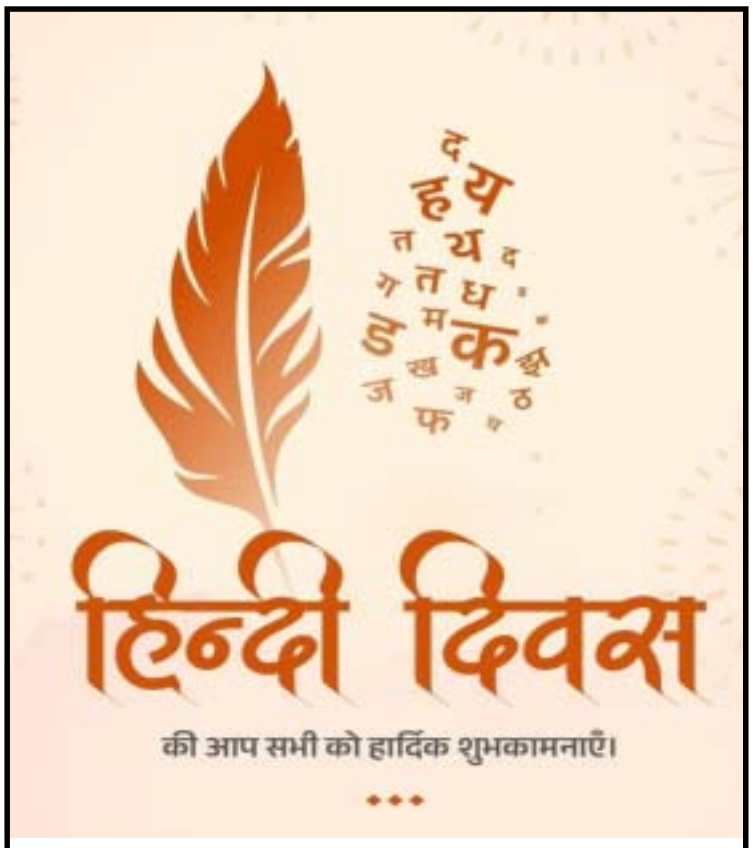

हिन्दी ही तो सच्ची अपनी पहचान है,
हिन्दी ही तो भारत वर्ष की जान है..
जीवन मूल्यों व संस्कृति की संवाहक,
हिन्दी ही तो खुला हुआ आसमान है..

बच्चे ही हैं हिंदी का भविष्य

हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, हिंदी साहित्य भारती, मुंबई और मरोल एजुकेशन एकेडमी हाईस्कूल एन्ड जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में मरोल एजुकेशन सोसाइटी के सभागृह में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री कृष्ण प्रकाश,अपर पुलिस महानिदेशक थे। विशिष्ट अतिथि श्री वसंत आर्य, सहायक आयकर आयुक्त, विद्यालय के प्राचार्य थॉमसकुट्टी पी. एस. मुख्याध्यापक भरत नायडू एवं अवधेश राय, राजेश मिश्र, रासबिहारी पाण्डेय और श्रीमती ममता राजपूत सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बच्चों के लिए भाषण और कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजित किया गया। कविता पाठ के निर्णायक श्री रासबिहारी पाण्डेय जी और श्रीमती ममता राजपूत थीं। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कार्यक्रम–संयोजक एड. राजीव मिश्र ने बताया कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। हिंदी भाषा के उन्नयन एवं संवर्धन हेतु विद्यार्थियों के मन में हिंदी के प्रति प्रेम और सम्मान जागृत करने की महती आवश्यकता है। कार्यक्रम में अंत में विजेता प्रतिभागियों को अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष वीरबहादुर यादव ने किया।

दशहरा तक किसानों को वित्तीय सहायता मिलने की उम्मीदः अजित पवार

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य सरकार आश्वस्त है कि बारिश से प्रभावित किसानों को दशहरा तक वित्तीय सहायता अंतरित कर दी जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 जिलों के 654 राजस्व क्षेत्रों की 195 तालुका में 19.5 लाख हेक्टेयर भूमि में खरीफ फसलें प्रभावित हुई हैं। छत्रपति संभाजीनगर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि अधिकारियों को बारिश से प्रभावित जिलों में हुए फसलों के नुकसान का शीघ्र सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर शिवसेना (उबाठा) के पूर्व नेता एवं पूर्व विधायक शिवाजीराव चोथे अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल हो गए।

पवार ने कहा, ''छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड और नांदेड़ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई जबकि पैठण के कुछ इलाकों में पानी अब भी कम नहीं हुआ है। सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और मराठवाड़ा के जिला प्रशासन को फसल नुकसान का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। संरक्षक मंत्री सर्वेक्षण की निगरानी करेंगे।'' उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट जल्द ही राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में अत्यधिक भारी बारिश पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ''हम वित्तीय सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित करेंगे। सरकार आशान्वित है कि यह प्रक्रिया दशहरा (दो अक्टूबर) तक पूरी हो जाएगी।'' इस बीच कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने कहा कि अगस्त और सितंबर में भारी बारिश से महाराष्ट्र के 30 जिलों में 17.85 लाख हेक्टेयर भूमि में फसलों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि कुछ जिलों में पंचनामा (भू आकलन) का काम पूरा हो चुका है और मुआवजा वितरित किया जा चुका है। आंकड़ों के अनुसार सोयाबीन, मक्का, कपास, अरहर, उड़द, मूंग, सब्जियां, फल, बाजरा, गन्ना, प्याज, ज्वार और हल्दी को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। अगस्त और सितंबर में भारी बारिश के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में नांदेड़ शामिल है, जहां 7.28 लाख हेक्टेयर में फसलें प्रभावित हुईं और इसके बाद यवतमाल, वाशिम, धाराशिव, अकोला, सोलापुर तथा बुलढाणा का स्थान है।

अव्यक्त इशारे

16-09-25

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

तपस्वी मूर्त का अर्थ है - तपस्या द्वारा शान्ति के शक्ति की किरणें चारों ओर फैलती हुई अनुभव में आयें। यह तपस्वी स्वरूप औरों को देने का स्वरूप है। जैसे सूर्य विश्व को रोशनी की और अनेक विनाशी प्राप्तियों की अनुभूति कराता है। ऐसे महान तपस्वी आत्मायें ज्वाला रूप शक्तिशाली याद द्वारा प्राप्ति के किरणों की अनुभूति कराती हैं।

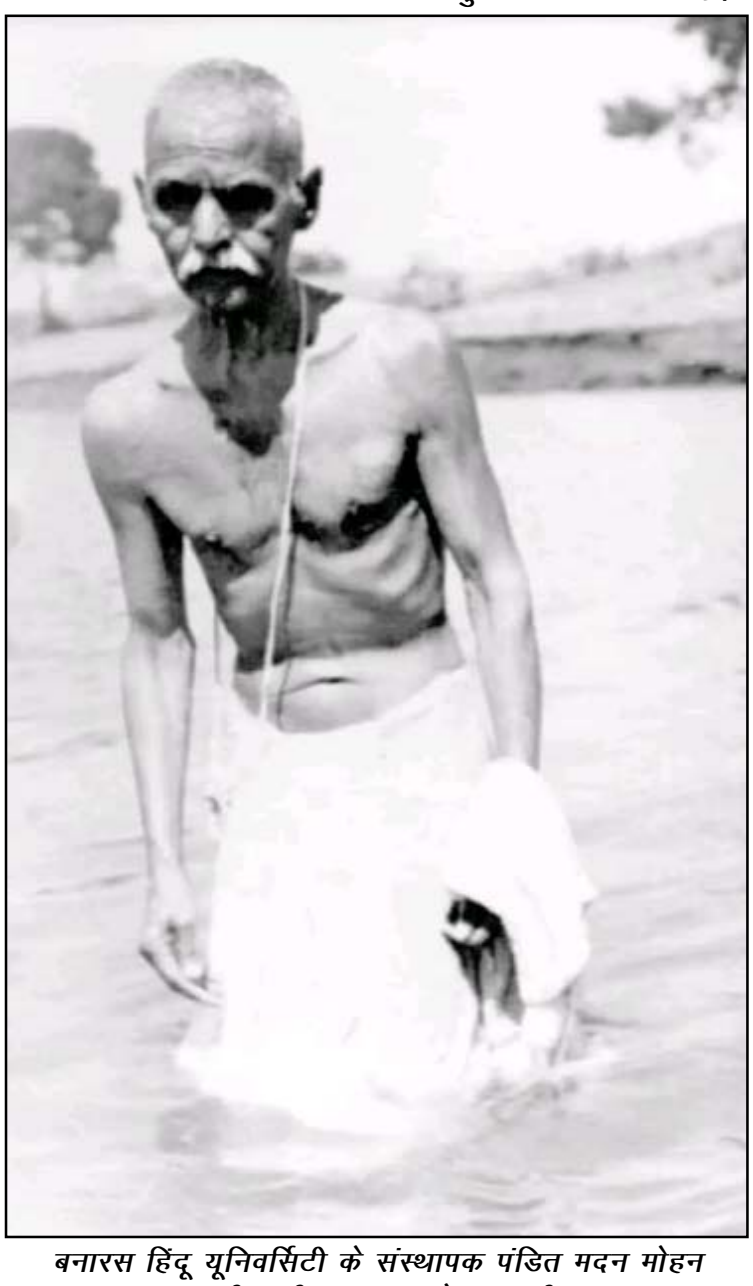

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय जी एक बहुत रेयर तस्वीर।

राजपूताना परिवार फाउंडेशन का "हिन्दी दिवस" हर्षोल्लास से संपन्न

ददन सिंह चौहान द्वारा संस्थापित राजपूताना परिवार फाउंडेशन द्वारा वसई विरार नालासोपारा के ब्रॉडवे हॉल में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर परिचर्चा एवं भव्य हिन्दी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. राष्ट्रीय स्तर के वीर रस के विख्यात कवि राम भदावर ने अपनी ओजस्वी वाणी से चित्तौड किले में सोलह हजार क्षत्राणीयों द्वारा किए गए सामुहिक जोहार पर कविता सुनाकर सभी श्रोताओं को रोमांचित किया उनके प्रस्तुती से श्रोताओं की भुजाएं फड़कने लगी. पाश्चात्य संस्कृती का अंधानुकरण तथा लव जेहाद आदि प्रासंगिक विषयों पर भी उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से तंज कसा. अनिकेत सिंह, सत्यभामा सिंह, रीमा सिंह, किरण तिवारी, अन्नपूर्णा गुप्ता, विनय कुमार शर्मा, शिवकुमार सिंह, विनय शर्मा " दीप " आदि कवि एवं कवियत्रीयों ने भी अपनी उत्कृष्ट कविताएं सुनाकर संपूर्ण सभागार में उत्साह का माहौल बनाया. इस आयोजन के मुख्य अतिथि नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा "हिन्दी भाषियों का मैं विशेष रूप से आभारी हूँ क्योंकि मेरी जीत में हिन्दी भाषियों का बहुत बडा योगदान है तथा वसई तालुका एवं संपूर्ण पालघर जिले में राजनैतिक परिवर्तन लाने का श्रेय हिन्दी भाषियों को जाता है. उन्होंने हिन्दी भाषियों को आश्वस्त किया के वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे.राजपूताना परिवार फाउंडेशन के संस्थापक ददन सिंह ने भारतीय संस्कृती एवं सनातन की रक्षा का आवाहन सभी को किया तथा विधायक से निवेदन किया की वसई विरार महानगर पालिका क्षेत्र में एक साहित्य भवन बनाया जाए जिसके उत्तर में विधायक राजन नाईक ने कहा की बहुत जल्द महानगर पालिका अपने क्षेत्र में भारत भवन का निर्माण करेगी जहां इस प्रकार के सांस्कृतिक, साहित्यिक आदि आयोजन के लिए पर्याप्त सुविधा होगी. फाउंडेशन के मार्गदर्शक डॉ.ओमप्रकाश दुबे ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा के उपयोग का महत्व सभी को समझाते हुए कहा कि हमारे राष्ट्र के किसी भी प्रांत के किसी भी विभाग की किसी भी जिले की मातृभाषा (स्थानीय भाषा) हिन्दी नही है. देश के हर नागरिक की मातृभाषा (स्थानीय भाषा) अलग है. हमारे देश के अनेकानेक विद्वानों ने अथक परिश्रम कर के अनेक भाषाओं को मिलाकर संपूर्ण देश को एक सूत्र में जोडने के लिए हिन्दी भाषा का निर्माण किया जिससे कि देश के किसी भी प्रांत का आदमी किसी भी प्रांत में इस भाषा को अधिकृत रुप से बोल सके. डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने यह भी कहा कि अनावश्यक भाषावाद एवं प्रांतवाद के दुराग्रह की भावना देश की प्रगति में बाधक बन सकती है. हम सभी को राष्ट्रभावना से प्रेरित होकर देश की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए. कार्यक्रम का सफल संचालन आकाशवाणी के प्रदीर्घ अनुभवी उद्घोषक आनंदप्रकाश सिंह ने किया.

इस कार्यक्रम में विधायक राजन नाईक के अलावा नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, भूतपूर्व महापौर रूपेश जाधव, वरिष्ठ भाजपा नेता नवलकिशोर मिश्रा, अमित दुबे, अभय कक्कड, जे.पी.सिंह, पंकज देशमुख, अमरनाथ सिंह, देवराज सिंह,नागेन्द्र तिवारी वरिष्ठ शिवसेना नेता जयप्रकाश सिंह तथा राजेश पाण्डेय, केडी शर्मा, संजय शर्मा, अरुण सिंह, के आर सिंह, आदि मान्यवर उपस्थित हुए.

कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन के अमित सिंह राठौड़, शक्ति सिंह शेखावत, सरवन सिंह सिसोदिया, नरेंद्र सिंह राणावत, महेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, राजेश राय, सुरेश सिंह, विजय नाथ तिवारी, भावेश सिंह, राजेश सिंह, सूर्यवंशी समर बहादुर सिंह, बिनोद तिवारी, ओमकार नाथ पाठक, जितेंद्र पंवार, हर्षवर्धन सिंह, धिरज सिंह, विकास उपाध्याय, सुनिल सिंह, राम सिंह राज चौरसिया, वंदना श्रीवास्तव संतोष श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, सतेन्द्र रावत, राज सिंह, भुपत सिंह, अजय सिंह, दामोदर राव, जय कुमार यादव, अनिल निषाद, कृष्णा पुजारी, प्रविण सोनी, प्रमोद शर्मा, बिरेंद्र सिंह, बिपिन सिंह, नितेश सिंह, रणविजय सिंह, विजय सिंह, सुनील सिंह, संध्या सिंह खुशबू सिंह, अंजू सिंह, नम्रता सिंह, बबीता सिंह, आशा सिंह, सुषमा सिंह, मानसी सिंह, निधि सिंह, नंदन सिंह बिनोद सिंह, किसन सिंह, रामस्नेही ओझा, अरुण सिंह, अश्विन सिंह जाडेजा, जगदीश सिंह जाडेजा, नंदु पवार, ओमप्रकाश पाण्डेय, रवि मिश्रा, किशोर चौहान, बिनोद सिंह, रोहित सिंह आदि इनका सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में ददन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया. राजपूताना परिवार फाउंडेशन द्वारा व्यवस्था किए गए उत्तम भोजन का आनंद लेते हुए कार्यक्रम विसर्जित हुआ।

हिंदी दिवस पर शब्दों का उत्सव और अभिनय का संगम

श्री ए.पी.पी. हाईस्कूल पंचवटी, नाशिक के सभागृह में विप्र फाउंडेशन नासिक के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी काव्यपाठ एवं एकल अभिनय प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सुंदर अवसर प्रदान किया. शब्दों की सरिता कविता के रूप में बही तो अभिनय की धरती पर एकल अभिनय ने गहरे सामाजिक संदेश दिए.

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य गणेशकुमार पंडीधर को उनके उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान के लिए शिक्षण रत्न सम्मान" से अलंकृत किया गया। यह क्षण विद्यालय परिवार के लिए गर्व और आनंद का प्रतीक बना। विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष

श्री ओमप्रकाश शर्मा ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए आठवा वचन तथा अन्य कार्योंका वृतांत अपने उद्बोधन में कहा. " वहीं वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री शामसुंदर जोशी ने हिंदी दिवस का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा दृ "हिंदी केवल भाषा नहीं, यह भारतीय संस्कृति का आत्मसौंदर्य है। और हिंदी हमारी आत्मा को जोड़ने वाली भाषा है।"

प्रतियोगिता का मूल्यांकन फाउंडेशन के महामंत्री श्री पवन जोशी एवं प्रख्यात लेखिका सौ. अलका कुलकर्णी ने किया। सभी प्रतिभागियों की मौलिकता और सृजनशीलता ने निर्णायकों को प्रभावित किया। समापन प्रसंग में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया, जबकि विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों की आंखों में चमक और अभिभावकों की गूंजती तालियाँ इस आयोजन की सार्थकता का प्रतीक बनीं। इस समारोह में श्री नंदकिशोर पंचारीया, श्री हेमेंद्र लखीप्रसाद पारीख, श्री भरत शर्मा, श्री अतुल पांडे एवं श्री द्वारकानाथ पुरोहित विशेष अतिथी के रूप उपस्थित थे। इस प्रकार हिंदी दिवस का यह आयोजन शब्दों, कला और संस्कृति का अद्भुत संगम बनकर सभी के हृदयों में अविस्मरणीय स्मृति छोड़ गया।

सम्पादकीय...

कानून में संशोधन, वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले से दोनों पक्ष संतुष्ट

इससे बेहतर और कुछ नहीं कि वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले पर दोनों ही पक्ष संतोष जता रहे हैं। हालांकि अभी अंतिम फैसला आना शेष है, लेकिन दोनों पक्षों को संतुष्ट करने वाले अंतरिम फैसले से एक बड़ा लाभ यह होगा कि वे लोग निःशस्त्र होंगे, जो इस कानून में संशोधन को लेकर आम लोगों को बरगला रहे थे। इसके नतीजे में एक महत्वपूर्ण कानून पर सस्ती राजनीति पर विराम लगेगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला मोटे तौर पर वक्फ कानून में संशोधन की आवश्यकता को सही ठहराता है। उसने संशोधित कानून के एक प्रविधान पर रोक लगाई और दो प्रविधानों में संशोधन कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में तीन से अधिक गैर–मुस्लिम न हों और वक्फ बोर्ड का सीईओ यथासंभव मुस्लिम समुदाय से हो। उसने गैर–मुस्लिम सीईओ बनने पर रोक नहीं लगाई। उसने उस प्रविधान को भी स्थगित कर दिया, जिसके तहत यह व्यवस्था बनाई गई थी कि जब तक नामित अधिकारी की रिपोर्ट दाखिल नहीं होती, तब तक संपत्ति को वक्फ संपत्ति न माना जाए। इसके साथ ही उसने फिलहाल इस शर्त को भी हटा दिया कि किसी व्यक्ति को वक्फ बनाने के लिए कम से कम पांच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना चाहिए। इस पर कानून के विरोधियों को बहुत आपत्ति थी, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि इसे तब तक के लिए ही हटाया गया है, जब तक इस्लाम के अनुयायी होने को परिभाषित नहीं किया जाता। सुप्रीम कोर्ट ने जिलाधिकारी को संपत्ति अधिकार तय करने के अधिकार पर रोक लगाकर एक तरह से सरकार को झटका दिया, लेकिन एक तो अभी यह अंतरिम फैसला ही है और दूसरे यह भी ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाई यूजर वाले प्रविधान पर इस कानून में बदलाव के विरोधियों को राहत नहीं दी। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि पुराने कानून के अनुसार यदि कोई संपत्ति लंबे समय से वक्फ द्वारा इस्तेमाल की जा रही है तो जरूरी दस्तावेजों के अभाव में भी उसे वक्फ बोर्ड की माना जा सकता था। नए कानून में इस रियायत को हटा दिया गया है। साफ है कि अब केवल यह कहने से काम नहीं चलेगा कि कागज तो नहीं हैं, लेकिन अमुक जमीन इसलिए वक्फ की है, क्योंकि उसका इस्तेमाल इसी रूप में हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि उसे वक्फ संशोधन कानून के सभी प्रविधानों को असंवैधानिक करार देने की कोई आवश्यकता नहीं महसूस हुई। वास्तव में किसी भी कानून को सिरे से खारिज करने का काम नहीं होना चाहिए। कोई भी कानून संपूर्ण नहीं होता। यदि किसी कानून में कोई कमी है तो उसे दूर करना चाहिए, न कि उसे असंवैधानिक करार देकर संसद की सारी मेहनत पर पानी फेरने का काम होना चाहिए।

साकार हो रहे संविधान निर्माताओं के सपनेः न्याय, समानता और जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने में मोदी सरकार सबसे आगे

भारत जैसे विकासशील देश में प्रत्येक सरकार स्वयं को 'लोगों की सरकार' के रूप में प्रस्तुत करती है। सरकारों की यह प्रतिबद्धता कल्याणकारी राज्य के विचार और आर्थिक एवं सामाजिक न्याय की गारंटी देने वाले एक न्यायपूर्ण समाज की स्थापना की कसौटी पर कसी जानी चाहिए। यह पैमाना संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर द्वारा दिए गए सुझाव के अनुरूप ही है। उन्होंने कहा था कि केवल राजनीतिक समानता पर्याप्त नहीं होगी। यदि राज्य सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित नहीं करता तो भारत का लोकतंत्र संकट में पड़ जाएगा। इस संदर्भ में संविधान निर्माताओं ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत व्यापक मार्गदर्शन प्रस्तुत किया और मौलिक अधिकारों के उलट संविधान के इस हिस्से को न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर भी रखा। स्पष्ट है कि सरकारों से नीति निर्देशक तत्वों के अनुपालन की अपेक्षा की गई और उन्होंने इस राह पर चलने का प्रयास भी किया, लेकिन इस मोर्चे पर 2014 के बाद आई तेजी बिल्कुल साफ दिखती है। सरकार की नीतियों, लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में बहुत अलग हैं। सामाजिक न्याय के संदर्भ में भारत के राष्ट्र निर्माताओं के सपनों को साकार करने की दिशा में वे बहुत आगे निकल गए हैं। कई तथ्य इस कथ्य को पुष्ट करते हैं। मोदी सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हैं। जैसे 2015 में शुरू की गई पीएम आवास योजना के अंतर्गत 2.62 करोड़ घर बनाए गए। 2016 में शुरू की गई सब्सिडी वाली घरेलू गैस कनेक्शन की पीएम उज्ज्वला योजना ने 10.33 करोड़ घरों को कवर किया। नल के जरिये जल वाली योजना 2019 में शुरू हुई और जल जीवन मिशन ने 15.60 करोड़ घरों को कवर किया। शौचालय निर्माण के लिए 11 करोड़ घरों को सुविधा उपलब्ध कराई गई। पूरे परिवार के लिए स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा भी इन पहलों में शामिल हैं। यह सब नागरिकों के लिए जीवन की सुगमता सुनिश्चित करने से जुड़ी मोदी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम का उल्लेख किए बिना अधूरी रहेगी।

मोदी सरकार ने 2028 तक हर महीने 81 करोड़ लोगों तक भोजन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति बिना भोजन के न रहे। इसके लाभार्थियों की संख्या दक्षिण, उत्तर अमेरिका और यूरोप की जनसंख्या से कहीं अधिक है। यह योजना काफी पहले शुरू हुई थी, पर मोदी ने इसे व्यापक रूप से आगे बढ़ाया। यह योजना अनुच्छेद 47 के निर्देश के अनुरूप ही है, जिसमें उल्लेख है कि राज्य का प्राथमिक कर्तव्य लोगों के पोषण एवं जीवन स्तर को बढ़ाना है। अन्य योजनाओं की तरह पीएम किसान योजना भी 11 करोड़ किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। इसके जरिये किसानों को आवश्यक मौद्रिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आधार के जरिये इसमें किसी तरह का कोई रिसाव नहीं और राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंचती है। नीति निर्देशक तत्वों से जुड़ी संकल्पनाओं को साकार करने की दिशा में जनधन योजना मोदी सरकार की बहुत निर्णायक पहल साबित हुई है। इसके अंतर्गत बैंक खातों की संख्या 56.29 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई है। वित्तीय समावेशन की इस क्रांतिकारी योजना ने सबसे गरीब लोगों को भी बैंक खाते खोलने और संचालित करने में सक्षम बनाया है। इस संदर्भ में श्रम योगी मानधन योजना और लखपति दीदी जैसी कई अन्य योजनाएं भी हैं। मोदी सरकार की ये सभी कवायदें अनुच्छेद 38 और 39 में उल्लिखित निर्देशों के अनुरूप ही आगे आगे बढ़ रही हैं। मोदी सरकार की ओर से महिलाओं और बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयास भी उल्लेखनीय हैं। 2017 में मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन किया गया ताकि कामकाजी महिलाओं को शिशु के जन्म के समय 26 सप्ताह का अवकाश मिल सके। यह कामकाजी वर्ग में महिलाओं के हितों को पोषित करने वाली एक क्रांतिकारी पहल रही, क्योंकि दुनिया के चुनिंदा देशों में ही ऐसे विस्तारित अवकाश का प्रविधान है। इसी तरह 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने अब तक 3.69 करोड़ महिलाओं को कवर किया है। यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही वेतन क्षति की पूर्ति भी करती है। बच्चों के लिए एकीकृत बाल विकास योजना में करोड़ों स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रयास अनुच्छेद 39 के अनुरूप ही है, जो कहता है कि पुरुष और स्त्री कामगारों के स्वास्थ्य और शक्ति तथा बच्चों की सुकुमार अवस्था का शोषण नहीं किया जाएगा। इस संदर्भ में अनुच्छेद 42 पर दृष्टि डालना भी समीचीन होगा, जिसके अनुसार राज्य कार्य की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रसूति सहायता के लिए उपबंध करेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई परिवर्तनकारी पहल हुई हैं। इस संदर्भ में वंचित वर्ग से जुड़े परिवारों के लिए 2018 में आरंभ हुई आयुष्मान योजना किसी संजीवनी से कम नहीं, जो प्रत्येक परिवार को सालाना पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। इससे पहले 2015 में शुरू की गई पीएम सुरक्षा बीमा योजना दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करती है। इसके 51 करोड़ से भी अधिक कार्ड धारक हैं। यह अनुच्छेद 47 में उल्लिखित निर्देश के अनुरूप है, जो कहता है कि राज्य का प्राथमिक कर्तव्य सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सामाजिक न्याय के मोर्चे पर इन उपलब्धियों के उल्लेख का यह उचित समय ही कहा जा सकता है, क्योंकि 17 सितंबर को उनकी 75वीं जन्मतिथि है। इस अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए हमें यह आशा करनी चाहिए कि उनके कार्यकाल के दौरान इन सभी योजनाओं का पूरा होना सुनिश्चित हो ताकि संविधान निर्माताओं द्वारा परिकल्पित सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और जीवन में सुगमता की स्थिति प्राप्त हो सके।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में नीरज चोपड़ा कब एक्शन में होंगे? जानें लाइव स्ट्रीमिंग की पूरी जानकारी

जापान के टोक्यों में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज 13 सितंबर से हो चुका है। जहां भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के कार्यक्रम का सभी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। भारत में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग और टेलीकास्ट उपलब्ध होगी। इस बार भारत–पाकिस्तान के बीच आने वाले कुछ दिनों में खेल की दुनिया में खूब जंग देखने को मिलेगी। क्रिकेट के मैदान से लेकर टोक्यो में भी भारत–पाकिस्तान के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी। जहां रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का मुकाबला खेला गया जिसमें भारत को जीत मिली। वहीं अब सभी की नजरें टोक्यो में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जेवलिन थ्रो कार्यक्रम पर होगी। दरअसल, इसी हफ्ते एथलेटिक्स एरीना में भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होगी। आमने–सामने नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम होंगे।

कहां और कब देखें?

2025 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 सितंबर से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित हो रहे हैं। पुरुष भाला फेंक की क्वालिफिकेशन 17 सितंबर को होगी, जबकि फाइनल मुकाबला अगले दिन यानी 18 सितंबर को आयोजित होगी। इसमें 200 देशों के 2,000 से ज्यादा खिलाड़ी अलग–अलग इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। ये प्रतियोगिता हर दो साल में होती है। पिछली बार ये 2023 में बुडापेस्ट में हुई थी। इस बार मुकाबले मुख्य रूप से जापान के नेशनल स्टेडियम में होंगे। टोक्यो ओलंपिक में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान को गोल्ड दिलाने वाले अरशद नदीम एक बार फिर बड़े टूर्नामेंट में आमने–सामने होंगे। पेरिस में अरशद ने 92.97 मीटर के थ्रो से ओलंपिक रिकॉर्ड कायम किया था। वहीं नीरज ने भी 89.45 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया, लेकिन वह गोल्ड से चूक गए।

टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और पेरिस ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम फिर से आमने–सामने होंगे। दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद, वे एक–दूसरे का सम्मान करते हैं।

लाइव कहां देखें?

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी। टोक्यो 25 वर्ल्ड चैंपियनशिप का भारत में स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट 1, स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट 1 एजडी, स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट 2 और स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट 2 एचडी टीवी चैनलों पर सीधा प्रसारण होगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच दो मैच और खेले जाएंगे! जानें एशिया कप 2025 में दोनों देशों की टक्कर का पूरा समीकरण

दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 के छठे मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सुपर–4 के लिए अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। वहीं अब उसका अगला मुकाबला 19 सितंबर को ओमान के साथ होगा। फिलहाल, पाकिस्तान को पस्त कर भारत अपने ग्रुप ए में टॉप पर काबिज है। उसके 4 अंक हैं। लेकिन यह कहानी अभी यही खत्म नहीं होगी बल्कि आगे और रोमांच आने वाला है। दरअसल, इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टक्कर एक नहीं बल्कि दो बार हो सकती है। क्या है इसके पीछे का पूरा समीकरण हमारी इस रिपोर्ट में जानें– बता दें कि, पाकिस्तान को हराकर भारत का एशिया कप 2025 के सुपर 4 में पहुंचना लगभग तय है। दूसरी ओर, पाकिस्तान की टीम को अगर यूएई पर जीत मिलती है तो भी वह अगले दौर में पहुंच जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो 21 सितंबर को सुपर–4 में भारत–पाकिस्तान की एक बार फिर टक्कर होगी। इतना ही नहीं अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंच गईं तो 28 सितंबर को फिर दोनों एक–दूसरे से भिड़ेंगी। यानी इस बार एशिया कप 2025 में भारत–पाकिस्तान की टक्कर तीन बार हो सकती है। फिलहाल, एशिया कप 2025 के छठे मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से रौंद दिया। इस दौरान पाकिस्तान के बल्लेबाज और गेंदबाज फेल हुए। वहीं भारत का प्रदर्शन हर फील्ड में बेहतरीन रहा।

मोहम्मद सिराज के सिर सजा आईसीसी का खास अवॉर्ड, करियर में पहली बार अपने नाम की ये बड़ी उपलब्धि

टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी की तरफ से प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। सिराज को ये सम्मान इंग्लैंड टूर पर ओवल टेस्ट में जबरदस्त गेंदबाजी के लिए दिया गया है। सिराज ने अगस्त महीने में सिर्फ ओवल टेस्ट ही खेला था जिसमें उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो पारियों में 9 विकेट अपने नाम किए थे। ओवल टेस्ट में मोहम्मद सिराज के प्रदर्शन ने भारत को टेस्ट सीरीज 2–2 से समाप्त करने में बहुत मदद की थी। चौथी पारी में इंग्लैंड को 374 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन सिराज के 5 विकेट की बदौलत भारत उस मैच को 6 रनों से जीतने में कामयाब रहा था। उन्होंने पहली पारी में भी 4 विकेट झटके थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स को हराकर ये सम्मान अपने नाम किया। ओवल टेस्ट में मोहम्मद सिराज ने दोनों पारियों में कुल मिलाकर 46.3 ओवर गेंदबाजी की थी। बताते चलें कि सिराज एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज रहे, जो इंग्लैंड टूर पर सभी 5 टेस्ट मैचों में खेले थे। इस पूरी सीरीज में उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी की जो सबसे ज्यादा रही। सिराज ने ये खास सम्मान मिलने पर खुशी जताई और कहा कि उनके टीम मेंबर्स भी इस अवॉर्ड के उतने ही हकदार हैं जितने वो खुद हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 23 विकेट लेने के बाद सिराज को रैंकिंग में भी फायदा हुआ था। इस कमाल के प्रदर्शन के बाद वह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 15वें स्थान पर आ गए थे। दुनिया में नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं।

उर्मिला मातोंडकर का स्टाइलिश अंदाज, सोशल मीडिया पर बिखेरा जलवा

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में उर्मिला का स्टाइलिश और आकर्षक अंदाज देखने को मिल रहा है। उर्मिला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्टाइलिश पोज देती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की शर्ट के साथ नीले रंग की स्कर्ट को पेयर किया है, जिसके ऊपर नीले और सफेद रंग की चेक पैटर्न वाली शर्ट पहनी है। अपने लुक को और निखारने के लिए उन्होंने सफेद रंग के साक्स के साथ ट्रेंडी सैंडल कैरी किए। यह लुक उनकी पर्सनैलिटी को भी बखूबी उजागर कर रहा है।

पहली तस्वीर में उर्मिला कैमरे की ओर देखते हुए आत्मविश्वास भरा पोज देती नजर आ रही है। उनकी मुस्कान और आंखों की चमक प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए काफी थी। दूसरी तस्वीर में उन्होंने कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दिया, जो उनकी बास लेडी वाली छवि को और मजबूत करता है। इन तस्वीरों में उर्मिला का कान्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है। उर्मिला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया, सितंबर के पहले हफ्ते की ओर बास लेडी की तरह बढ़ते हुए। उनकी इस पोस्ट को देखकर प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। एक यूजर ने लिखा, आपका स्टाइल हमेशा लाजवाब रहता है, तो दूसरे ने कहा, उर्मिला जी, आप आज भी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं। उर्मिला मातोंडकर ने 90 के दशक में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से बालीवुड में एक खास मुकाम हासिल किया। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। वह बड़े पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में ब्लैकमेल में नजर आई थीं।

मातृनवमी पर दिवंगत माताओं का होता है श्राद्ध

आज मातृनवमी है, पितृ पक्ष में नवमी तिथि को मातृ नवमी के रूप में जाना जाता है। इस खास दिन पर विशेष रूप से दिवंगत माताओं और परिवार की अन्य महिलाओं का श्राद्ध किया जाता है। मातृ नवमी पर किए गए तर्पण और पिंडदान से मातृ आत्माओं की शांति होती है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है, तो आइए हम आपको मातृनवमी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें मातृनवमी व्रत के बारे में

हिन्दू धर्म में मातृनवमी का खास महत्व है। इस दिन श्राद्ध करने से दिवंगत आत्माओं को शांति मिलती है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। पूर्वजों का सम्मान करने और धार्मिक कर्तव्य निभाने के लिए इस दिन विशेष पूजा–पाठ और कर्मकांड किए जाते हैं। मातृनवमी पितृपक्ष की एक अत्यंत पावन तिथि है, जो हमारे दिवंगत मातृ पितरों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने का अवसर देती है। इस दिन किए गए श्राद्ध से न केवल उनकी आत्मा को शांति मिलती है, बल्कि हमारे परिवार और वंश की समृद्धि भी होती है। शास्त्रों में माना गया है कि यदि किसी महिला की मृत्यु किसी भी माह के कृष्ण पक्ष या शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुई हो या फिर उनकी सही मृत्यु तिथि ज्ञात न हो, तो उनके श्राद्ध के लिए यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दिन परिवार की दिवंगत महिलाओं का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में खास महत्व है। पितृ पक्ष के दौरान लोग दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। पंडितों के अनुसार पितृ पक्ष में पूर्वज धरती पर आते हैं। इस दौरान किए गए कर्मकांड से पितर प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं, जिससे घर में सुख–शांति

बनी रहती है।

पितृपक्ष में मातृनवमी है खास

पितृपक्ष की नवमी तिथि पर उन महिलाओं का श्राद्ध किया जाता है जिनके पति उनके जीवित रहते हुए ही निधन हो गए हों। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिन माताओं, बहनों या बेटियों की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो, उनका श्राद्ध भी इस दिन करना शुभ माना जाता है। इस दिन किया गया श्राद्ध माता–पिता को प्रसन्न करता है और वंश तथा कुल की वृद्धि का कारण माना जाता है।

मातृनवमी श्राद्ध का महत्व

मातृनवमी का श्राद्ध विशेष रूप से मातृ पक्ष के लिए समर्पित होता है। इस दिन किए गए श्राद्ध से माता–पिता की आत्मा प्रसन्न होती है और आशीर्वाद देती है। इससे उनकी आत्मा को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि जो व्यक्ति मातृ नवमी का श्राद्ध करता है, उसके जीवन में कभी ममता और स्नेह की कमी नहीं होती। मातृ नवमी श्राद्ध विशेष रूप से मृत माताओं के लिए किया जाता है। यह पितृ पक्ष की नवमी तिथि को संपन्न होता है। यदि किसी महिला की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो, तब भी उनका श्राद्ध इस दिन किया जा सकता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इस श्राद्ध से परिवार पर मातृशक्ति का आशीर्वाद बना रहता है और सुख–समृद्धि बढ़ती है। इसके अलावा, जिन पितरों की मृत्यु किसी भी महीने की नवमी तिथि को हुई हो, उनका श्राद्ध भी इसी दिन किया जाता है।

मातृनवमी के दिन ये करें

पंडितों के अनुसार मातृ नवमी के दिन श्राद्ध के साथ–साथ दान–पुण्य अवश्य करें। इस दिन विवाहित महिलाओं को सुहाग सामग्री देना शुभ माना जाता है। बुजुर्ग महिलाओं को उपहार भी दे सकते हैं। एक ब्राह्मण दंपत्ति को भोजन कराना चाहिए। पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं और अपनी दिवंगत माताओं व बहनों को याद करें। इस दिन गाय, कुत्ते, चींटी, मछली और कौवे को भोजन और पानी देना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार इन जीवों को अर्पित भोजन हमारे पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करता है।

मातृनवमी के दिन इस मुहूर्त पर करें श्राद्ध

हिंदू पंचाग के अनुसार, मातृ नवमी का श्राद्ध 15 सिंतबर दिन सोमवार को किया जाएगा। मातृ नवमी के दिन किसी पवित्र घाट पर जाकर दिवंगत महिलाओं का श्राद्ध करना चाहिए। दाहिने हाथ में कुशा लेकर दिवंगत महिलाओं के नाम का तर्पण करें। इसके बाद उन्हें पिंडदान अर्पित करें। श्राद्ध के खाने का एक हिस्सा कौवे, गाय या कुत्ते के लिए अलग से निकालकर रख दें। इसके बाद पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें और गरीब ब्राह्मण को सामर्थ्य के अनुसार दान–दक्षिणा दें। इस दिन श्राद्ध के लिए सबसे शुभ समय सुबह 11:51 बजे से दोपहर 12:41 बजे तक है, जिसे कुतुप मुहूर्त कहा जाता है. इसके बाद दोपहर 12:41 बजे से 01:30 बजे तक रौहिण मुहूर्त है, जो भी श्राद्ध के लिए शुभ माना जाता है. दोपहर 01:30 बजे से 03:58 बजे तक अपराह्न काल मुहूर्त है, इस समय भी श्राद्ध किया जा सकता है।

मातृनवमी तिथि पर ऐसे करें श्राद्ध

सबसे पहले पितरों का ध्यान करें और उनका स्मरण करें। तिल, जौ, गुड़ और आटे से बने पिंड को जल में अर्पित करें। जल में तिल, कूशा और जल लेकर तर्पण दें। इसे तीन बार करना शुभ माना जाता है। पितरों के लिए विशेष भोजन बनाएं और इसे कौआ, गाय, कुत्ता आदि जीवों को अर्पित करें। यह माना जाता है कि इन जीवों को भोजन देने से पितरों को तृप्ति मिलती है। श्राद्ध के समय ब्राह्मणों को भोजन कराना और दक्षिणा देना भी जरूरी होता है। जरूरतमंदों को दान देना श्राद्ध के फल को बढ़ाता है।

माताओं के श्राद्ध के नियम भी है खास

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र पहनें। कुश, जौ, तिल और जल से तर्पण करें। चावल, जौ और काले तिल को मिलाकर पिंड बनाएं और दिवंगत माताओं को अर्पित करें। श्राद्ध का भोजन तैयार करें, जिसमें खीर, पूरी, सब्जी, दाल आदि शामिल होती है। इस भोजन को सबसे पहले कौवे, गाय, कुत्ते और देवताओं के लिए निकालें। पितरों को भोजन अर्पित करने के बाद, ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दक्षिणा दें। श्राद्ध के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य वस्तुओं का दान करें।

मातृनवमी के दिन अवश्य करें यह काम

किसी भी श्राद्ध पूजन में तुलसी का विशेष महत्त्व है। इसीलिए मातृ नवमी के दिन तुलसी पूजन अवश्य करना चाहिए। इसके साथ ही पितरों से जुड़े किसी भी कार्य में तांबे के बर्तन का प्रयोग करें। किसी महिला का अपमान न करें। ऐसा मातृ नवमी के दिन ही नहीं बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी करें। ऐसा करने से आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी। यदि सम्भव हो तो मातृ नवमी के दिन जरूरतमंद सुहागन महिलाओं को सुहाग का सामान जैसे लाल साड़ी, चूड़ियां, सिंदूर आदि चीजों का दान करें। घर पर आए किसी भी व्यक्ति को खाली हाथ न भेजें और उन्हें भोजन अवश्य कराएं।

इस नवरात्रि दुर्गा पूजा पर करें इन मंदिरों के दर्शन, मां दुर्गा पूरी करेंगी हर मनोकामना

नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा के 9 अलग–अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है और उनकी कृपा पाने के लिए अधिक शुभ माना गया है। वैदिक पंचांग के मुताबिक इस बार 22 सितंबर 2025 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। नवरात्रि का पर्व बेहद खास माना जाता है और हर जगह पर अलग–अलग तरीकों से नवरात्रि का सेलिब्रेशन होता है। वहीं भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर नवरात्रि के पर्व को बेहद भव्य तरीके से मनाया जाता है। नवरात्रि के मौके पर गरबा, डांडिया और भव्य पंडाल सजाए जाते हैं। जिससे रौनक और भी कई गुना बढ़ जाती है। वहीं भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जोकि नवरात्रि पर दुर्गा पूजा के लिए काफी फेमस हैं। यहां पर आपको नवरात्रि का रंग सबसे ज्यादा देखने को मिलता है। ऐसे में अगर आप भी इस नवरात्रि को खास तरीके से मनाना चाहती

हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दुर्गा पूजा के मौके पर दर्शन के लिए जा सकते हैं।

कालीघाट मंदिर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

कोलकाता की दुर्गा पूजा काफी ज्यादा भव्य तरीके से होती है। इस दौरान यहां का नजारा एकदम अलग होता है। नवरात्रि के मौके पर शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहता है। इस खूबसूरत राज्य में हर जगह मां दुर्गा के पंडाल लगते हैं, इस दौरान महिलाएं विशेष रूप से तैयार होती हैं। नवरात्रि पर यहां सिंदूर से होली खेली जाती है। यहां पर स्थित कालीघाट मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इसलिए आपको नवरात्रि के मौके पर एक बार यहां जरूर आना चाहिए।

वैष्णो देवी, जम्मू–कश्मीर

वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। वैष्णो देवी मंदिर में पूरे साल यहां पर भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन नवरात्रि के मौके पर यहां का अलग ही नजारा होता है। माता के दर्शन के लिए श्रद्धालु कठिन चढ़ाई करते हैं और 'जय माता दी' के जयकारे लगाते हैं। नवरात्रि के दिनों में मां वैष्णों के मंदिर में विशेष पूजा होती है। इसलिए इस दुर्गा पूजा में आप वैष्णों देवी मंदिर आ सकते हैं और यहां पर भक्तों के लिए विशेष भंडारे और जागरण होते हैं।

विंध्याचल धाम, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थित विंध्यवासिनी देवी मंदिर भी नवरात्रि के मौके पर एक अलग तरीके से सजाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर मां विंध्यवासिं अपने श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। ऐसे में इस दुर्गा पूजा आप भी यहां पर दर्शन के लिए आ सकते हैं।

अंबाजी मंदिर, गुजरात

बता दें कि गुजरात का अंबाजी मंदिर शक्ति उपासना के लिए बेहतर स्थान माना जाता है। नवरात्रि के मौके पर यहां पर विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। नवरात्रि के खास मौके पर मंदिर को दिव्य और भव्य तरीके से सजाया जाता है।

कामाख्या देवी मंदिर, असम

असम का कामाख्या देवी मंदिर में भी नवरात्रि के मौके पर भक्तों से भरा रहता है। कामाख्या मंदिर तांत्रिक सिद्धियों के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां पर नवरात्रि के मौके पर विशेष पूजा–पाठ और यज्ञ किए जाते हैं। ऐसे में आप भी इस दुर्गा पूजा के मौके पर मंदिर आकर दर्शन कर सकते हैं।

अपोलो ने स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए उठाया महत्वाकांक्षी कदम

2050 तक देश की वृद्ध आबादी 31.9 करोड़ तक बढेगी

नवी मुंबईः अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई (AHNM) ने आज अपने सीनियर्स फर्स्ट जेरियाट्रिक्स क्लिनिक के शुभारंभ की घोषणा की। मरीज़ों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए यह एक स्पेशलाइज्ड़ सेवा शुरू की गयी है। वरिष्ठ नागरिकों की विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे डिज़ाइन किया गया है। इस क्लिनिक का नेतृत्व अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में जेरियाट्रिक्स में कंसल्टेंट, डॉ सयाली दामले और डॉ श्वेत सबनीस करेंगे। एक ही छत के नीचे निवारक, रिहैबिलिटेशन और दीर्घकालिक देखभाल सहायता के साथ–साथ निरंतर देखभाल भी उपलब्ध होगी, चाहे वह अस्पताल में हो या घर पर। अपोलो हॉस्पिटल्स ने एक डेडिकेटेड हेल्पलाइन नंबर 75–9696–9494 भी शुरू किया है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

भारत की आबादी में एक बड़ा परिवर्तन हो रहा है। अनुमान है कि 2050 तक देश की वृद्ध आबादी 31.9 करोड़ तक बढेगी लगभग हर पाँच भारतीयों में से एक वरिष्ठ नागरिक होगा। आज, लगभग चार में से तीन वरिष्ठ नागरिक, कम से कम एक पुरानी बीमारी से ग्रस्त हैं, जबकि लगभग आधे लोग हिलने–डुलने या चलने–फिरने में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। फिर भी, वृद्धावस्था में विशेष देखभाल तक पहुँच दुर्लभ है, देश में प्रशिक्षित वृद्धावस्था विशेषज्ञ 100 से भी कम हैं, जबकि अनुमान है कि आवश्यकता हज़ारों की है।

अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई का जेरियाट्रिक्स क्लिनिक वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य के हर पहलू को कवर करते हुए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा। इसमें वृद्धावस्था का व्यापक मूल्यांकन, पुरानी बीमारी का प्रबंधन, गिरने और कमज़ोरी को रोकने के लिए कार्यक्रम, हिलने–डुलने, चलने–फिरने और संतुलन का प्रशिक्षण, पोषण और आहार परामर्श, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य सहायता और मानसिक कल्याण सेवाएँ शामिल हैं।

वरिष्ठ नागरिकों को ऑपरेशन के बाद की देखभाल, फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन, और अस्पताल में आना–जाना सुलभ हो इसके लिए कंसीयज सहायता भी उपलब्ध होगी। अपोलो होमकेयर और अपोलो 24/7 के साथ मिलकर, नर्सिंग देखभाल, फिजियोथेरेपी, डायग्नोस्टिक्स और दवा प्रबंधन जैसी आवश्यक सेवाएँ अस्पताल के बाहर भी उपलब्ध होंगी, जिससे वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों के लिए सहायता का एक निर्बाध चक्र बना रहेगा।

महाराष्ट्र सरकार के ओबीसी जीआर के विरोध में मुलुंड तहसीलदार कार्यालय पर मोर्चा

मुंबई – महाराष्ट्र सरकार के द्वारा मराठा कुणबी आंदोलन के दबाव में ओबीसी जीआर के विरोध में मुलुंड तहसीलदार कार्यालय पर विनायक घाणेकर (अध्यक्ष–मुलुंड कुणबी समाज विकास संघ) एवं कुणबी समाजोन्नती संघ मुंबई के नेतृत्व में मोर्चा निकाला गया। इन्होने मांग किया कि ओबीसी आरक्षण में मराठा जाति के लोगों की प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष घुसपैठ को तत्काल रोका जाय। यह जी आर तत्काल वापस लिया जाय स इस सन्दर्भ में मुख्यमंत्री/ उपमुख्यमंत्री द्वय के नाम लिखा गया ज्ञापन तहसीलदार, मुलुंड को सौंपा गया। इस अवसर पर महिला आघाडी की नेता सिंधु घागरे, कल्पना सोनावने,अनीता जाधव, कुणबी समाज विकास संघ की महिला अध्यक्ष सौ. करुणा गावड़े,सचिव प्रमिला घाणेकर, संजीवनी भुवड, सुनीता खेरादे, सुलक्षना घाणेकर, राजश्री खोपटकर, दापोली तालुका अध्यक्ष विजय नायनाक, सचिव नरेश घरटकर, दिवा कुणबी संगठन के गणेश दवंडे, विक्रोली अध्यक्ष सोनू शिवगण,मुलुंड शाखा के बबन रहाटे, तानाजी निकम, दत्ताराम ऊके,पांडुरंग गावड़े, रविंद्र मांडवकर, रमेश कुले, अनंत भोसले, आत्माराम सनगले, जानु कुले, राजाराम कोलम्बे, संगीता पांढरे सहित सैकड़ो लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा महाराष्ट्र प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा

मुंबई। अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील ने निम्न लिखित पदाधिकारियों की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष– संजय पाटिल, महासचिव–जयेश शेलार पाटील,कोषाध्यक्ष संदीप काळे पाटील, संरक्षक– ब्रिगेडियर सुधीर सावंत,डॉ बाबुलाल सिंह पटेल,नरेश आखरे पाटील, नि. डेप्युटी कलेक्टर बी बी ठाकरे, किसन बोंद्रे, डॉ राकेश कनोजिया,प्रा.नरेश चंद्र काठोळे, एड. आप्पा साहेब कड,शाहीर उत्तम गायकर. युवा प्रदेश अध्यक्ष– प्रमोद ठोंबे पाटील, महिला प्रदेश अध्यक्षा डॉ.शोभाताई गायकवाड,

उद्योग प्रदेश अध्यक्ष समीर पाटील, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रा.बी एन शिंदे, दिनेश दळवी ,सुबोध कुमार,जयराम पांडीयार, प्रदेश प्रवक्ता– अँड अलकाताई मोरे पाटील, प्रदेश विधी सलाहकार –अँड हनुमंत जाधव, प्रदेश संघटक गणपती कंदस्वामी देवेंद्र, कोकण विभाग अध्यक्ष –तुकाराम पष्टे, नाशिक विभाग अध्यक्ष– डॉ संजय गायकवाड , पुणे विभाग अध्यक्ष– प्रा.विलास आंबेकर, छ. संभाजी नगर विभाग अध्यक्ष– प्रा. तानाजी भोसले, अमरावती विभाग अध्यक्ष– डॉ शरद बावणेर पाटील. अ. भा. कूर्मि क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. एस. निरंजन (से. नि. आई. ए. एस), पूर्व अध्यक्ष एल. पी. पटेल, रा. महासचिव उमेश पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनायें प्रदान किया है।

जैन महामंडल का क्षमा पर्व

मुंबई –भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच का क्षमापना एंव तपोनुमोदना कार्यक्रम मुंबई के श्री ब्रज मंडल बेंक्वेट में भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के अध्यक्ष दिपेश जैन के नेतृत्व मे क्षमापना (मिच्छामी डुक्कडम) और तप की अनुमोदनार्थ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर मंच संचालक देवेन्द्र हरणेशा ने शाखा सचिव कंचन ललवाणी निर्वतमान अध्यक्ष रमेश जैन वर्तमान अध्यक्ष दिपेश जैन कार्यक्रम के मुख्य अतिथी जस्टिस के.के. तातेड (निवृत) मुख्य वक्ता विक्की सर को आंमत्रित कीया। सभी ने अपना स्थान ग्रहण कीया। नवकार मंत्र के लिए जया जैन को आंमत्रित कीया। नवकार महामंत्र के स्मरण से कार्यक्रम का शुभारंभ कीया गया। मुख्य अतिथी जस्टिस के. के. तातेड (निवृत) ने अपने संबोधन मे कहा की जैन धर्म का सबसे बडा महत्व जीव दया का है। अपने द्वारा की गई भुलो की क्षमा मांगना सबसे कठिन काम है लेकिन जैन धर्म सिखाता है क्षमा विरस्य भुषणम। क्षमा वीरो का आभुषण है। मुख्य वक्ता विक्की सर ने तप की महत्वता समझाते हुए कहा की तप करना इतना आसान नही है। जिह्वा स्वाद छोडना बडा कठिन है। जो तप करते है वो धन्य है। जीवरासी सात लाख सुत्र के माध्यम से चौरासी लाख जीवो योनी के सभी जीवो से क्षमा मांगने का महत्व समझाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के पुर्व अध्यक्षो, पदाधिकारीगणो ने अथक मेहनत की जिससे कार्यक्रम जबरदस्त सफल हुआ इसके लिए सभी अभीनदंन के पात्र है और सबकी अनुमोदना है।

मुख्य अतिथी न्याय मुर्ति श्री के.के. तातेड जी (निवृत) और मुख्य वक्ता श्री विक्की जी सर ने अपना अनमोल समय निकालकर पधारे जिससे कार्यक्रम की आन बान शान बढ गई। शाखा के पुर्व अध्यक्ष मांगीलाल मेहता, मुकेश जैन, राकेश सोलंकी, राजेश गादीया, दिपीका शाह उपाध्यक्ष भारती जैन सह सचिव हितेश मेहता कोषाध्यक्ष जिनेन शाह सह कोषाध्यक्ष भावना शाह आंमत्रित सदस्य महेश संघवी, मंगलचंद सेठ, विक्की राणावत उपस्थित रहे।

मुलुंड में जिउतिया पूजन समारोह धूमधाम से मनाया गया

मुंबई – युवा ब्रिगेड असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सचिन सिंह के द्वारा स्व. शेठ रामकृपाल सिंह के प्रांगण में, मुलुंड प. पर लगातार 50वें वर्ष जिउतिया (जीवित पुत्रिका व्रत)पूजन समारोह आयोजित किया गया। बारिश की वजह से पूजन करने आयी श्रद्धालु महिलाओ हेतु पंडाल, टेबल, कुर्सी, लाइट की व्यवस्था युवा ब्रिगेड द्वारा किया गया स इस अवसर पर 3 बजे से रात्रि 8 बजे तक सैंकड़ो महिलाओं ने अपने पुत्रो की दीर्घायु, संकट तथा रोग मुक्त उत्तम स्वास्थ्य हेतु जिउतिया माँ का निराजल व्रत रखकर पूजन किया।

इस अवसर पर इस आयोजन को प्रारम्भ करने वाली 90 वर्षीय महिला श्रीमती बबना देवी सिंह ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया स श्रीमती जयबाला सिंह,बासमती सिंह,आरती सिंह, साधना सिंह,विभा सिंह, अनीता सिंह,हेमलता सिंह,उर्वशी सिंह, नीतू सिंह ने सभी की अगवानी की। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. बाबूलाल सिंह, श्रीराम सिंह, महानन्द सिंह, राकेश मिश्रा, दयाशंकर पाल, रमेश सिंह, मोहित सिंह, विनोद सिंह, भोला सिंह, नवीन सिंह, रवि बरनवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे स और सहयोग प्रदान किया।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।